दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शुक्रवार 30 अप्रैल 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 209

महत्वपूर्ण एवं खास

आर्मी चीफ ने प्रधानमंत्री मोदी को दी कोरोना में सेना के काम कि जानकारी

नईदिल्ली (आरएनएस)। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल एमएम नरवणे ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने कोविड प्रबंधन में सहायता के लिए सेना द्वारा की जा रही विभिन्न पहलों पर चर्चा की। जनरल एमएम नरवणे ने प्रधानमंत्री को सूचित किया कि विभिन्न राज्य सरकारों को सेना का मेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री को यह भी बताया कि सेना देश के विभिन्न भागों में अस्थायी अस्पतालों का निर्माण कर रही है। जनरल एमएम नरवणे ने प्रधानमंत्री को जानकारी दी कि जहां कहीं भी संभव है, सेना आम नागरिकों के लिए अपने अस्पताल खोल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिक अपने निकटतम सैन्य अस्पतालों में संपर्क कर सकते हैं। जनरल एमएम नरवणे ने प्रधानमंत्री को बताया कि सेना आयातित ऑक्सीजन टैंकरों तथा वाहनों के लिए, जहां उन्हें प्रबंधित करने के लिए विशिष्ट कौशलों की आवश्यकता होती है, मैनपावर के साथ उनकी सहायता कर रही है।

दिल्ली में ऑक्सीजन संकट पर आप सरकार ने हाईकोर्ट में कहाः केंद्र की भी कुछ जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली हाईकोर्ट राजधानी में कोविड-19 मामलों में वृद्धि के मद्देनजर ऑक्सीजन सप्लाई सहित विभिन्न मुद्दों से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इस दौरान दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील राहुल मेहरा ने हाईकोर्ट को बताया कि दिल्ली सरकार को उस समय डॉक पर रखा गया है, जब केंद्र बुरी तरह से विफल हो गया है। केंद्र सरकार की भी कुछ जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, कागजों में सब कुछ पूरी तरह ठीक है और हमें दिल्ली के नागरिकों के प्रति पूरी तरह से सहानुभूति है। वकील राहुल मेहरा ने हाईकोर्ट से दिल्ली को एक हजार मीट्रिक टन ऑक्सीजन उपलब्ध कराने का निर्देश देने का आग्रह किया। दिल्ली सरकार के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि 8 पीएसए प्लांट्स में से 2 पहले से ही चालू हैं और 2 अन्य 30 अप्रैल तक चालू होने हैं। दिल्ली सरकार द्वारा बाकी सभी अनुमतियां दी गई, लेकिन कुछ अधिकारियों ने इसमें अड़ंगा अटकाया और कहा कि उन्हें केंद्र शासित सरकार से एक बार फिर कुछ बदलाव और अप्रूवल की आवश्यकता है।

अंतिम संस्कार में भी लूट रहे हैं घाट के राजा, पांच की जगह 25 हजार तक की वसूली

रांची (आरएनएस)। कोरोना महामारी के दौर में जहां हर तरफ लूट मची है, रांची में अंतिम संस्कार भी महंगा हो गया है। अंतिम संस्कार करा रहे लोग परिजनों की मजबूरी का फायदा उठाने से नहीं चूक रहे हैं। अंतिम संस्कार के लिए पांच हजार रुपये की जगह 25 हजार रुपये तक लिए जा रहे हैं। इस संस्कार के लिए पांच हजार रुपये की जगह 25 हजार रुपये तक लिए जा रहे हैं। इस महामारी के दौर में जब अपने-अपनों का साथ छोड़कर लोग इस नश्वर शरीर को त्याग रहे हैं तो उनकी अंतिम संस्कार क्रिया कर्म में परिजनों को पसीने छूट रहे हैं।

देश में फूटा कोरोना वायरस का बम... 24 घंटे में मिले रिकार्ड 3.79 लाख से ज्यादा नए मरीज

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर में एक दिन में कोरोना संक्रमण ने पिछले सभी रिकार्ड ध्वस्त कर दिये हैं। हर दिन कोरोना मरीजों और संक्रमण से हो रही मौतों ने हालातों को बेहद डरवाना बना दिया है। मसलन पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 3.79 लाख से ज्यादा नए कोरोना मरीज मिले हैं और 3645 से ज्यादा लोगों की मौत हाक गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में बीते 24 घंटों में 3,79,257 नए कोरोना मरीज मिल हैं। इसके साथ ही देश में संक्रमित मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 1,83,76,524 हो गई है। वहीं बीते 24 घंटों में 3645 लोगों ने कोरोना की वजह से दम तोड़ दिया। इसके साथ कोविड से मरने वालों की

संख्या 2,04,832 पहुंच गई। महामारी के दस्तक देने से लेकर अब तक एक दिन में पहली बार 3600 से अधिक लोगों की कोरोना से मौत हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय मुताबिक देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटों में 2,69,507 कोरोना मरीज स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए हैं। इसके साथ ही देश में अब तक 1,50,86,878 मरीज कोरोना वायरस को मात देने में कामयाब हुए हैं। रोजाना के आधार पर दर्ज होने वाले नए कोरोना केसों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बेहद कम है। मौत के नये मामलों में, सर्वाधिक 1,035 मौत महाराष्ट्र में, दिल्ली में 368, छत्तीसगढ़ में 279, उत्तर प्रदेश में 265, कर्नाटक में 229, गुजरात में 174, झारखंड में 149, पंजाब में 142, राजस्थान में 120, उत्तराखंड में 108 और मध्य प्रदेश में 105 लोगों की मौत हो गई। देश में अबतक हुई कुल 2,04,832 मौत में से 67,124 महाराष्ट्र में, 15,337 दिल्ली में, 15,036 लोगों की कर्नाटक में, 13,826 की तमिलनाडु में, 11,934 उत्तर प्रदेश में, 11,159 लोगों की पश्चिम बंगाल में, 8,772 की पंजाब में, 8,061 लोगों की छत्तीसगढ़ में मौत हुई है।

सक्रीय मरीजों में इजाफा जारी

देश में उपाचाराधीन मरीजों की संख्या 30,84,814 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 16.79 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर घटकर 82.10 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 1,50,86,878 हो गई है। संक्रमण से मौत होने की दर घटकर 1.11 प्रतिशत हो गई है। देश में कोविड-19 के मरीजों की संख्या पिछले साल सात अगस्त को 20 लाख को पार कर गई थी। वहीं कोविड-19 मरीजों की संख्या 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख के आंकड़े को पार कर गई थी। इसके बाद 28 सितंबर को कोविड-19 के मामले 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख, 19 दिसंबर को एक करोड़ और 19 अप्रैल को कोविड-19 के मामले 1.5 करोड़ से अधिक हो गए थे।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के मुताबिक 28 अप्रैल तक 28,44,71,979 नमूनों की जांच की गई है जिनमें से 17,68,190 नमूनों की बुधवार को जांच की गई।

देश में 15 करोड़ से अधिक लोगों को लगी कोरोना वैक्सीन

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में कोविड-19 टीके की 15 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। गुरुवार सुबह सात बजे तक की अंतरिम रिपोर्ट के मुताबिक 22,07,065 सत्रों के माध्यम से टीकों की कुल 15,00,20,648 खुराकें दी जा चुकी हैं। इनमें 93,67,520 स्वास्थ्य कर्मियों को पहली खुराक और 61,47,918 स्वास्थ्य कर्मियों को दूसरी खुराक दी जा चुकी है। वहीं अग्रिम मोर्चा के 1,23,19,903 कर्मियों को पहली और 66,12,789 कर्मियों को दूसरी खुराक दी जा चुकी है। इसके अलावा 60 वर्ष से अधिक उम्र के 5,14,99,834 लाभार्थियों को पहली और 98,92,380 लाभार्थियों को दूसरी खुराक दी जा चुकी है। वहीं 45 से 60 उम्र के 5,10,24,886 लाभार्थियों को पहली और 31,55,418 लाभार्थियों को दूसरी खुराक दी जा चुकी है।

बीमा कंपनियां कोविड मरीजों के बिल एक घंटे में करें मंजूर, दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कोरोना मरीजों को राहत देने वाला एक बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने बीमा कंपनियों को आदेश दिया है कि वो कोविड-19 मरीजों के बिलों को एक घंटे के भीतर मंजूर करें। बीमा कंपनियां बिल पास करने के लिए 6-7 घंटे नहीं ले सकतीं, क्योंकि इसके कारण अस्पताल से मरीजों को छुट्टी मिलने में देरी होती है। पहले से ही स्थिति बहुत अधिक गंभीर है। ऐसे में अस्पताल में बेड के लिए जद्दोजहद कर रहे मरीज को लंबा इंतजार करने पड़ता है।

जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने चेतावनी दी है कि अगर कोर्ट को किसी बीमा कंपनी के खिलाफ इस प्रकार की शिकायत मिली तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने बीमा नियामक आईआरडीएआई को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिया है। साथ ही अस्पताल प्रबंधकों को भी निर्देश दिया गया है कि वो मरीज को डिस्चार्ज किए बिना ही मरीजों की भर्ती प्रक्रिया जारी रखें। बता दें कि दिल्ली में कोरोना से मरने वालों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। श्मशान घाट में शवों को जलाने के लिए घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं मरीजों के लिए कई जगहों पर एंबुलेंस नहीं मिल रही है। परिस्थिति बहुत ही भायव होती जा रही है। ऐसे में दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश देते हुए केजरीवाल सराकर को कहा है कि वो शवों को ले जाने के लिए एंबुलेंस के स्थान पर पुरानी डीटीसी बसों के इस्तेमाल पर विचार करे।

अगले 3 दिनों में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में पहुंचेगी वैक्सीन की 20 लाख से अधिक खुराकें

» विभिन्न राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के पास अभी भी एक करोड छह लाख से अधिक वैक्सीन बची हैं

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में भारत सरकार सबसे आगे रही है। टेस्ट, ट्रैक, ट्रीट और कोविड उचित व्यवहार के साथ, टीकाकरण महामारी से लड़ने के लिए भारत सरकार की पांच सूत्री रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

कोविड-19 टीकाकरण की तीसरे चरण की उदार और त्वरित चरण रणनीति एक मई, 2021 से

लागू की जाएगी। नए पात्र जनसंख्या समूहों के लिए पंजीकरण 28 अप्रैल से शुरू हो गया है। संभावित लाभार्थी या तो सीधे कोविनपोर्टल पर या आरोग्य सेतु ऐप के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं।

भारत सरकार ने अब तक राज्यों/केंद्रशासित क्षेत्रों को लगभग 16.16 करोड़ टीके की खुराक प्रदान की हैं। इसमें से अपव्यय सहित कुल खपत 15,10,77,933 है। अभी भी राज्यों/केंद्रशासित क्षेत्रों के पास कोविड टीके की एक करोड़ से अधिक खुराक (1,06,08,207)उपलब्ध हैं।

इसके अलावा अगले तीन दिनों में राज्यों/केंद्रशासित क्षेत्रों को 20 लाख से अधिक खुराक मिलेगी। हाल ही में महाराष्ट्र राज्य सरकार के कुछ अधिकारियों के हवाले से मीडिया की कुछ खबरों में कहा गया है कि राज्य में टीके समाप्त हो गए हैं, जिससे राज्य में टीकाकरण अभियान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यह स्पष्ट किया जाता है कि कि 28 अप्रैल 2021 (सुबह आठ बजे) तक महाराष्ट्र को कुल 1,63,62,470 कोविड टीके की खुराक प्रदान की गयीं। इसमें से अपव्यय (0.22 प्रतिशत) सहित कुल खपत 1,56,12,510 है। पात्र जनसंख्या समूहों के टीकाकरण के लिए राज्य के पास अभी भी टीके की बाकी 7,49,960 खुराक उपलब्ध हैं। इसके अलावा, कोविड टीके की 20,48,890 खुराक अगले तीन दिनों में वितरण के लिए प्रक्रियारत हैं।

यूपी को 5वीं ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन से 76 टन से अधिक तरल मेडिकल ऑक्सीजन भेजी गई

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे का राज्यों को राहत पहुंचाने के क्रम में ऑक्सीजन एक्सप्रेस अभियान लगातार जारी है और यह अभियान महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और दिल्ली के बादअब हरियाणा और तेलंगाना के लिए भी शुरू कर दिया गया है।

अभियान को पूरी तत्परता से संचालित करने के क्रम में तीन अतिरिक्त रेलगाड़ियां या तो तरल ऑक्सीजन लेकर गंतव्य की ओर बढ़ रही हैं या खाली रेलगाड़ियां तरल ऑक्सीजन लेने के लिए ऑक्सीजन संयंत्र के लिए रवाना हो चुकी हैं। एक अनुमान के अनुसार अगले 24 घंटों में भारतीय रेलवे द्वारा कुल तरल मेडिकल ऑक्सीजन की ढुलाई का आंकड़ा 640 मीट्रिक टन के स्तर पर पहुंच जाएगा। उत्तर प्रदेश पहुंची पांचवी ऑक्सीजन एक्सप्रेस से 5 टैंकरों में

गुरुवार को 76.29 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन पहुंचाई गई। इनमें से एक टैंकर वाराणसी उतरा जबकि 4 टैंकरों को लखनऊ पहुंचाया गया। उत्तर प्रदेश के लिए छठी ऑक्सीजन एक्सप्रेस अपने गंतव्य की ओर दौड़ रही है और इसके कल सुबह यानी 30 अप्रैल, 2021 को लखनऊ पहुंचने की संभावना है, जो 4 टैंकरों में 33.18 मीट्रिक टन ऑक्सीजन लेकर आ रही है। खाली टैंकरों को लेकर एक अन्य ऑक्सीजन एक्सप्रेस के ऑक्सीजन संयंत्रों से अगली खेप लेने के लिए आज लखनऊ से रवाना होने की संभावना है।

हरियाणा पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस से दो टैंकरों में ऑक्सीजन प्राप्त करेगा जिसके आज ओडिशा के अंगुल से रवाना होने के संकेत हैं। इसके अलावा ओडिशा के राउरकेला संयंत्र से ऑक्सीजन लेने के लिए फरीदाबाद से रवाना हुई रेलगाड़ी अपने मार्ग पर आगे बढ़ रही है। आने वाले दिनों में हरियाणा को ऑक्सीजन एक्सप्रेस के द्वारा ऑक्सीजन की निरंतर आपूर्ति होने की संभावना है जिससे राज्य में कोविड-19 मरीजों के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

तेलंगाना सरकार ने भी भारतीय रेलवे से ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाने का अनुरोध किया था। इस क्रम में तेलंगाना के सिकंदराबाद से अंगुल के लिए 5 खाली टैंकर लेकर ऑक्सीजन एक्सप्रेस रवाना हो चुकी है और इसके कल अंगुल पहुंचने की संभावना है।

संकट की इस घड़ी में राज्यों को उनकी आवश्यकता के अनुसार ऑक्सीजन ढुलाई से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारतीय रेलवे पूरी तत्परता से काम कर रहा है। रेलवे ऑक्सीजन एक्सप्रेस को तेज़ गति से चलाने और राज्यों को उनकी मांग के अनुसार ऑक्सीजन की डिलिवरी सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव विकल्पों का उपयोग कर रहा है।

आईआरडीए अस्पतालों से नकद और बिना नकद योजनाओं में भेदभाव न करने को कहा

नईदिल्ली । बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) ने अस्पतालों से आग्रह किया कि वे कोविद -19 मामलों का इलाज करते समय नकदी और कैशलेस नीतियों वाले रोगियों के बीच भेदभाव न करें।इसने बीमा कंपनियों को यह देखने के लिए भी कहा कि कोविद -19 रोगियों के लिए कैशलेस सेवाएं उपलब्ध हैं जो बीमाकृत हैं।

आईआरडीएआई की इस रिपोर्ट के अनुसार, कोविद -19 रोगियों के कुछ परिवारों को कैशलेस बीमा पॉलिसी होने के बावजूद अस्पताल के बिलों के निपटान के लिए नकद भुगतान का विकल्प चुनने के लिए मजबूर किया गया था।हमने अस्पतालों से नकदी और कैशलेस रोगियों के बीच भेदभाव नहीं करने का अनुरोध किया है। हमने बीमाकर्ताओं को भी लिखा है, उनसे आग्रह किया है कि वे सुनिश्चित करें कि कंपनियों और अस्पतालों के बीच समझौता सम्मानित हो। कोविड -19 आपके लिए स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों और आदर्श क्षतिपूर्ति आधारित योजनाओं को समझनामुझे यकीन है कि इन कठिनाइयों को संबोधित किया जाएगा, आईआरडीए सदस्य (जीवन), के गणेश ने कहा, व्यापारियों के चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ एक आभासी इंटरैक्टिव सत्र के दौरान।

कोरोना संकट पर केंद्र से 22 राज्यों ने मांगी ऑक्सीजन

» देश में तेजी से बढ़ गई 67 फीसदी डिमांड

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना के कहर के बीच देश में 15 से 24 अप्रैल के बीच यानी 9 दिनों में ही मेडिकल ऑक्सीजन की मांग 67 प्रतिशत बढ़ गई। इतना ही नहीं जहां पहले सिर्फ 12 राज्यों को ऑक्सीजन की किल्लत थी तो वहीं अब केंद्र से ऑक्सीजन मांगने वाले राज्यों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने 15 अप्रैल को 12 राज्यों के अतिरिक्त सचिवों/ प्रमुख सचिवों/ स्वास्थ्य सचिवों को चिट्ठी लिखकर 20 अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते के लिए उनकी ओर से आई ऑक्सीजन की मांग के बाद किए गए आवंटन के बारे में सूचित किया था। इन 12 राज्यों में महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, केरल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान शामिल थे। चिट्ठी में राजेश भूषण ने उन ऑक्सीजन उत्पादन करने वाले संयंत्रों की भी जानकारी दी थी जहां से इन राज्यों को ऑक्सीजन दी जानी थी। इन राज्यों ने कुल मिलाकर 4 हजार 880 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन मांगी थी और उसी के हिसाब से आवंटन भी किया गया था। दस दिनों के अंदर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव निपुण विनायक ने 24 अप्रैल को राज्यों के स्वास्थ्य अधिकारियों को एक और चिट्ठी लिखी और उन्हें बताया कि 25 अप्रैल से उनकी मांग के हिसाब से कितना ऑक्सीजन आवंटन किया जा रहा है। इससे यह पता लगा कि केंद्र से ऑक्सीजन मांगने वाले राज्यों की संख्या बढ़कर 22 हो गई और इन राज्यों ने कुल 8 हजार 172 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की मांग की है। जो कि 15 अप्रैल की तुलना में 67 फीसदी ज्यादा है। निपुण विनायक की चिट्ठी से यह पता लगा कि केंद्र ने इन 22 राज्यों को कुल 8 हजार 280 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आवंटित किया।

बिना लक्षण वाले और हल्के कोरोना संक्रमण के इलाज में आयुष-64 को काफी उपयोगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 महामारी के विश्वव्यापी कहर के बीच 'आयुष 64' दवा हल्के और मध्यम कोविड-19 संक्रमण के रोगियों के लिए आशा की एक किरण के रूप में उभरी है। देश के प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने पाया है कि आयुष मंत्रालय की केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) द्वारा विकसित एक पॉली हर्बल फॉर्मूला आयुष 64, लक्षणविहीन, हल्के और मध्यम कोविड-19 संक्रमण के लिए मानक उपचार की सहयोगी के तौर पर लाभकारी है। उल्लेखनीय है कि आयुष 64 मूल रूप से मलेरिया की दवा के रूप में वर्ष

1980 में विकसित की गई थी तथा कोविड 19 संक्रमण हेतु पुनरुद्देशित की गई है।

हाल ही में आयुष मंत्रालय तथा-सीएसआईआर द्वारा हल्के से मध्यम कोविड-19 संक्रमण के प्रबंधन में आयुष 64 की प्रभावकारिता और इसके सुरक्षित होने का मूल्यांकन करने के लिए एक व्यापक और गहन बहु-केंद्र नैदानिक (क्लीनिकल) परीक्षण पूरा किया गया है।

पुणे के सेंटर फॉर रूमेटिक डिसीज के निदेशक और आयुष मंत्रालय के 'आयुष मंत्रालय-सीएसआईआर सहयोग' के मानद मुख्य नैदानिक समन्वयक डॉ. अरविंद चोपड़ा ने बताया कि परीक्षण तीन केंद्रों पर आयोजित किया गया था। इसमें केजीएमयू, लखनऊ; डीएमआईएमएस, वर्धा और बीएमसी कोविड केंद्र, मुंबई शामिल रहे तथा प्रत्येक केंद्र में 70 प्रतिभागी शामिल रहे। डॉ. चोपड़ा ने कहा कि आयुष 64 ने मानक चिकित्सा के एक सहायक के रूप में महत्वपूर्ण सुधार प्रदर्शित किया। और इस तरह इसे एसओसी के साथ लेने पर अकेले एसओसी की तुलना में अस्पताल में भर्ती होने की अवधि भी कम देखी गई। उन्होंने यह भी साझा किया कि सामान्य स्वास्थ्य, थकान, चिंता, तनाव, भूख, सामान्य हर्ष और नींद पर आयुष 64 के कई महत्वपूर्ण, लाभकारी प्रभाव भी देखे गए। निष्कर्ष रूप में डॉ. चोपड़ा ने कहा कि इस तरह के 'नियंत्रित दवा परीक्षण अध्ययन' ने स्पष्ट सबूत दिए हैं कि आयुष 64 को कोविड -19 के हल्के से मध्यम मामलों का उपचार करने के लिए मानक चिकित्सा के सहायक के रूप में प्रभावी और सुरक्षित दवा के रूप से इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जो रोगी आयुष 64 ले रहे हैं, उनकी निगरानी की अभी भी आवश्यकता होगी ताकि अगर बीमारी और बिगड़ने की स्थिति हो तो उसमें अस्पताल में भर्ती होने के दौरान ऑक्सीजन और अन्य उपचार उपायों के साथ अधिक गहन चिकित्सा की आवश्यकता की पहचान की जा सके।

आयुष नेशनल रिसर्च प्रोफेसर तथा कोविड-19 पर अंतर-विषयक आयुष अनुसंधान और विकास कार्य बल के अध्यक्ष डॉ. भूषण पटवर्धन ने कहा कि आयुष 64 पर हुए इस अध्ययन के परिणाम अत्यधिक उत्साहजनक हैं और आपदा की इस कठिन घड़ी में ज़रूरतमंद मरीज़ों आयुष 64 का फायदा मिलना ही चाहिए।